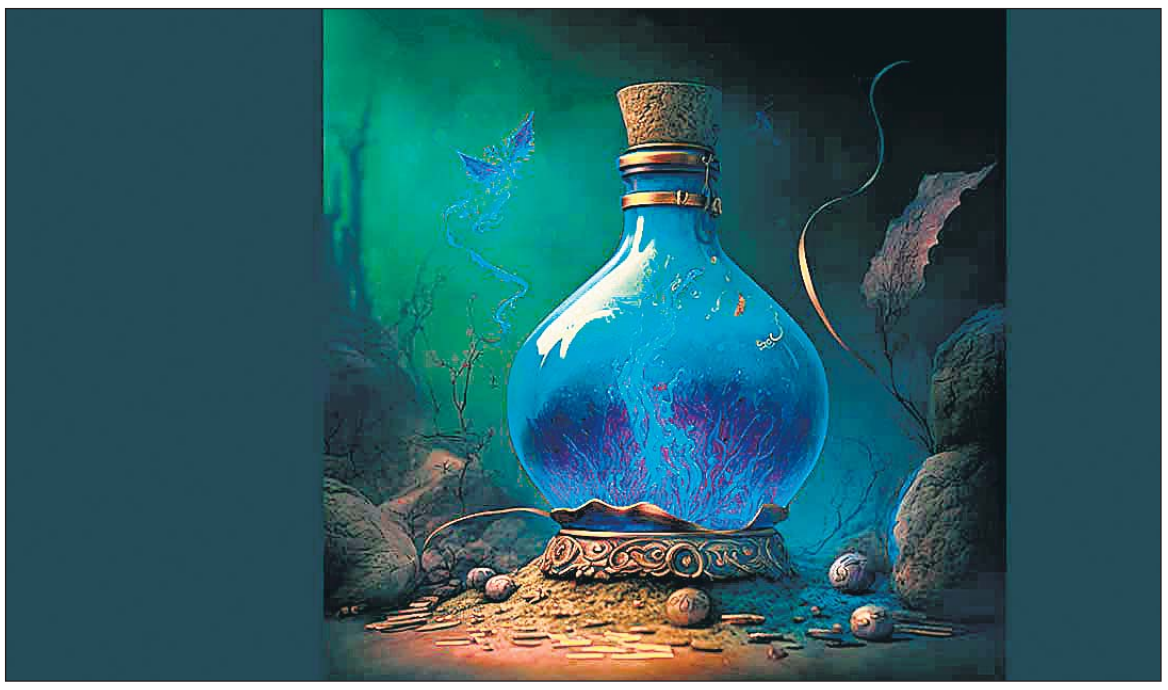

टर्की के इत्र बनाने वालों का एक ग्रुप मैसोपोटामिया के एक प्राचीन इत्र का फॉर्मूला फिर से तैयार कर रहा है। मूलतः 3200 साल पहले बना यह इत्र जिस क्षेत्र का है उसे "क्रेडल ऑफ सिविलाइज़ेशन" कहा जाता है। इस इत्र में जिन पेड़ पौधों का इस्तेमाल किया गया है, वो मूलतः मैसोपोटामिया में ही मिलते हैं। वर्तमान में इसे दक्षिण पूर्व टर्की के दियारबाकिर शहर के चर्च ऑफ सेंट जॉर्ज में प्रदर्शित किया जा रहा है। यह दूसरी मैसोपोटैमियन फ्रेगरैंस एग्ज़ीबिशन है, पहली एग्ज़ीबिशन इस वर्ष के आरंभ में हुई थी। प्राचीन काल में दियारबाकिर शहर उन गिने-चुने स्थानों में एक था, जहां इत्र संस्कृति फली-फूली। ऊपरी मैसोपोटैमियन क्षेत्र में मिलने वाले पौधों से बनाए गए इस परफ्यूम का नाम, अनाज व लेखन की देवी के नाम पर "निसाबा" रखा गया है। निसाबा सबसे प्राचीन सुमेरी देवियों में से एक हैं जिनका लिखित उल्लेख मिलता है। हालांकि बाद में उनकी जगह एक अन्य देवता "नाबू" को दे दी गई थी पर निसाबा का उल्लेख मैसोपोटामिया के लिखित रिकॉर्ड्स में जारी रहा। ऐरोमाथैरपिस्ट और खुशबू के विशेषज्ञ, बिहतर तुरकन एरगुल, जो इस प्रोजैक्ट में शामिल हैं, ने कहा, हमने इसे नया नाम दिया है, मैसोपोटैमियन निसाबा, जो अनाज, जमीन और ज्ञान की देवी है। हमने इसे यह नाम इसलिए दिया है क्योंकि अनाज भी मिट्टी से ही आता है। दियारबाकिर शहर मैसोपोटामिया के बेसिन में है। यह स्थान सुमेरियन, असीरियन बैबीलोनियन और हिटाइट जैसी कई प्राचीन सभ्यताओं का घर था। यह इत्र उत्पादन का केन्द्र था तथा इत्र के व्यापारिक मार्ग का प्रमुख पड़ाव था। ज्ञातव्य है कि यह व्यापारिक मार्ग भारत से अरब, अरब से मैसोपोटामिया, सीरिया, इज़राइल, मिस्र, यूनान व रोम को जोड़ता था। मैसोपोटामिया के प्राचीन परफ्यूम कांच से बनी विशेष बोतलों में या चीनी मिट्टी के बर्तनों में रखे जाते थे। विभिन्न उत्खनन अभियानों में ऐसी बोतलें मिली हैं। एग्ज़ीबिशन में जिन बोतलों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित हैं, वे 3000 साल पुराने ज़ैरज़ैवान किले की खुदाई में मिली थीं। इस प्रोजैक्ट के लिए बहुत रिसर्च की गई है और उसके बाद इत्र निर्माण प्रक्रिया को लैबोरेटरी टैक्नीक में बदला गया है। इत्र बनाने के लिए उन वृक्षों की पहचान की गई जिनसे प्राचीनकाल में परफ्यूम बना था। यह आसान काम नहीं था। एरगुल ने कहा कि, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर इस खुशबू को प्रमोट किया जायेगा।

पूनिया ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने लाखों बेटियों के भविष्य को संवारने का काम किया : विजया राहटकर

आमेर में भाजपा जन आक्रोश महासभा में डॉ. सतीश पूनिया, विजया राहटकर, राजेन्द्र राठौड़ ने कहा, 2023 में राजस्थान में तीन चौथाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी

जयपुर, 8 जनवरी (का.सं.)। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे राजस्थान में चल रही भाजपा की जन आक्रोश महासभायें 156 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में हो चुकी हैं, आगामी दिनों में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में होंगी।

■ आमेर की धरती परिवर्तन की धरती है, यहां से धरती पुत्र स्व. भैरोंसिंह शेखावत विधायक बने, जिन्होंने मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश का विकास किया, उसी तरह धरती पुत्र सतीश पूनिया यहां के विधायक बनकर सेवा कर रहे हैं: राजेन्द्र राठौड़।

इसी क्रम में आमेर विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा मंडल में भाजपा जन आक्रोश महासभा को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने संबोधित कर 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीन चौथाई बहुमत की भाजपा सरकार बनाने का संकल्प और आव्हान किया, जहां मौजूद अपार जनसमूह ने हाथ उठाकर संकल्प का समर्थन किया।

सतीश पूनिया ने कहा कि, भाजपा की सरकार में 2013 से 2018 के बीच में आमेर में 1500 करोड़ के विकास कार्य करवाये, जिसमें केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार के जरिये खूब काम हुये। मेरे जैसे सामान्य किसान परिवार में जन्मे कार्यकर्ता को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व ने राजस्थान जैसे बड़े प्रदेश का मुख्य कार्यकर्ता बनाकर जो जिम्मेदारी दी है।

आमेर की जालसू पंचायत समिति क्षेत्र में संचालित मॉडल सीएचसी पूरे राजस्थान की सीएचसी के लिये बेहतरीन उदाहरण है सुविधाओं को लेकर, जिसमें वेंटिलेटर सहित तमाम चिकित्सा सुविधायें हैं, इस काम में चिकित्सा मंत्री रहते हुये मेरे बड़े भाई राजेन्द्र राठौड़ का बहुत बड़ा योगदान है, जिसके लिये उन्होंने करोड़ों रुपये की राशि आवंटित की थी। राजस्थान का कोई व्यक्ति नहीं भूल सकता कि करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर, उदयपुर सहित तमाम जिलों में जो कांग्रेस शासन में दंगे हुये, उदयपुर का कन्हैयालाल साहू हत्याकांड कोई नहीं भूल सकता, जिनका दिनदहाड़े सिर कलम कर हत्या कर दी गई।

विजया राहटकर ने संबोधित करते हुये कहा कि, भाजपा जन आक्रोश यात्रा पूरे राजस्थान में इतिहास रचने जा रही है, जिसके माध्यम से राजस्थान की जनता भाजपा को आशीर्वाद देकर प्रचंड बहुमत की 2023 में मजबूत सरकार बनायेगी, जो सरकार राजस्थान के विकास, सुरक्षा, शांति और सम्मान के लिये काम करेगी। जन आक्रोश के माध्यम से पूरे राजस्थान में सवा लाख किलोमीटर यात्रा, 200 विधानसभाओं में गांव-गांव में जनता को स्पर्श करने का काम हम कर रहे हैं, 50 हजार से अधिकर चौपालें कर करोड़ों लोगों से संवाद एवं संपर्क कर चुके हैं। भाजपा राजस्थान के अध्यक्ष सतीश पूनिया ऐसे कर्मशील प्रदेश अध्यक्ष हैं, भाजपा के जिन्होंने नरेन्द्र मोदी की कल्याणकारी योजना सुकन्या समृद्धि योजना के जरिये राजस्थान की लाखों बेटियों के भविष्य को संवारने का काम किया है।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, पूरे राजस्थान में कांग्रेस के कुशासन के खिलाफ चल रही भाजपा की जन आक्रोश सभाओं के शिल्पीकार बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, जो रॉकेट की तरह प्रवास करते हैं, हम सभी नेता इनके नेतृत्व में भाजपा के मिशन 2023 में जुटे हुये हैं, जिसे हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बड़ी जीत के साथ पूरा कर भाजपा की सरकार बनायेंगे। रीट की चीट सहित दर्जनों से अधिक पेपर लीक के मामले कांग्रेस शासन में हुये, जिनमें राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े लोग शामिल पाये गये, इस स्टडी सर्किल के पैटर्न स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। इससे भी आगे बढ़कर पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा के संरक्षण में कलाम इंस्टीट्यूट चल रहा है, जिसमें मोटी फीस लेकर गारंटी बैच चलाये जाते हैं, पेपर भी दिये जाते हैं, डोटासरा का पूरा कुनबा आरएएस बन गया, कहने का मतलब कांग्रेस शासन में पेपर लीक से लेकर हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है, ऐसे भ्रष्टाचारी और जनविरोधी कांग्रेस सरकार को 2023 में उखाड़ फेंकेगे। आमेर की धरती परिवर्तन की धरती है, यहां से धरती पुत्र राजस्थान की राजनीति के अजातशत्रु स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने विधायक बनकर यहां की जनता का प्रतिनिधित्व विधानसभा में किया था, अब उसी तरह वैसे ही धरती पुत्र आपके विधायक सतीश पूनिया आमेर का प्रतिनिधित्व विधानसभा में कर आपकी सेवा कर रहे हैं। जन आक्रोश महासभा में प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री महेन्द्र यादव, एसटी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष सादिक खान, प्रधान हरदेव यादव, प्रधान बद्रीनारायण बागड़ा, जिला अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, इत्यादि उपस्थित रहे।

'सभी की परफॉर्मेंस देखेंगे, जिनकी परफॉर्मेंस नहीं है, उनको टिकट देकर करेंगे भी क्या?'

राजस्थान कांग्रेस प्रभारी रंधावा बोले, जो लोग बैठकों में आए हैं, उनका स्वागत है और जो लोग बैठकों में नहीं आते हैं, ऐसे लोगों की हमें जरूरत भी नहीं है

जयपुर, 8 जनवरी (का.प्र.)। कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की तैयारियों के लिए रविवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बैठक हुई। बैठक के दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने नेताओं को चेतावनी दी, आंखें दिखाईं, धमकाया, तो टिकट प्राप्त करने के तरीके भी बताए। लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सिर्फ सरकार की योजनाओं को लेकर खुद की पीठ थपथपाते दिखे। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने हमेशा की तरह हाथ से हाथ जोड़ो अभियान पर चर्चा से ज्यादा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनकी सरकार की योजनाओं की तारीफ की।

बैठक के दौरान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और संगठन को ज्यादा तवज्जो देने की सिफारिश करते हुए कहा कि, यदि संगठन है तभी हम हैं, वरना संगठन के बिना हमारा कोई वजूद नहीं है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि, किसी एक आदमी के कांग्रेस छोड़ने से पार्टी कमजोर नहीं होगी, क्योंकि संगठन है, तो हम हैं। इसी के साथ उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, सब मिल बैठकर खाएंगे तो अच्छा रहेगा, वरना एक ही व्यक्ति यदि ज्यादा खाएगा तो पेट खराब हो सकता है। इस बात के जरिए उन्होंने सरकार में बैठे हुए मंत्रियों को एक तरह से हिदायत दी, कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं हुई तो स्थितियां खराब हो सकती हैं। इसी के साथ उन्होंने संगठन की बैठकों में नहीं आने वाले नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि, जो लोग इन बैठकों में आए हैं, उनका स्वागत है और जो लोग बैठकों में नहीं आते हैं, ऐसे लोगों की हमें जरूरत भी नहीं है। इसी के साथ उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से कहा कि, वे कुछ सख्त हो जाए, क्योंकि ज्यादा नरमी बरतने के कारण लोग लापरवाह हो जाते हैं। इसी के साथ प्रभारी रंधावा ने यह भी कहा कि सभी की परफॉर्मेंस देखेंगे, जिनकी परफॉर्मेंस नहीं है उनको टिकट देकर करेंगे भी क्या?

■ गहलोत ने चेताया कि, प्रभारी और समन्वयक की मौजूदगी के बावजूद जो लोग बैठक में नहीं आते, उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है

■ 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के लिए बुलाई गई बैठक में पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा अभियान से ज्यादा, सरकार की तारीफ का पुल बांधने में व्यस्त रहे।

वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कितनी बड़ी बात है कि प्रभारी यहां मौजूद हैं, और हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के समन्वयक भी यहां मौजूद हैं। इसके बावजूद नेता यहां नहीं आए। उन्होंने कहा कि आगे प्रदेश कांग्रेस का विस्तार भी होना है। विधानसभा में टिकट का वितरण भी होना है। इस बात के जरिए उन्होंने एक तरह से नेताओं को चेतावनी दी कि जो लोग इस तरह की महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थित रहते हैं, उनको राजनीतिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि चार साल से इनको विधानसभा में देख रहे हैं। जब हम बजट पेश करते हैं तो ये विधानसभा से छिपकर भागते हैं। इनकी ऐसी पिटाई मैंने नहीं देखी। ये खड़े होकर मीडिया से बात नहीं कर पा रहे। कहते हैं पैसा कहां से आएगा। मैंने कहा कि कटारियाजी पैसा कहां से आएगा। इसकी चिंता मुझे करनी चाहिए, आप क्यों चिंता कर रहे हो?

इसी के साथ गहलोत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमने जो बजट में घोषणा की थी, वो पूरी हो रही हैं। हर विधायक कह रहा है कि सिर्फ घोषणा नहीं हुई है। हमारी योजनाएं जिनका राहुल गांधी ने अलवर में जिक्र किया था। ऐसी 5 योजनाएं देशभर में कहीं नहीं हैं। ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि हमने पीएम से आग्रह किया है। आप ओपीएस को लागू क्यों नहीं कर रहे हो, मगर भारत सरकार जवाब नहीं दे रही है। वो जिन्हें पेंशन मिल रही है। आज वो सवाल उठा रहे हैं। अगर ओपीएस के लागू रहते 60 साल तक देश ने विकास किया है। अब क्या तकलीफ है। गहलोत ने कहा कि इसके लिए हम वित्त मैनेजमेंट करेंगे। कर्मचारियों को पेंशन देंगे। ये हमने फैसला कर लिया है। इसी के साथ गहलोत ने कहा कि 16-17 जनवरी को सरकार का चिंतन शिविर हो रहा है। इसमें सरकार की परफॉर्मेंस का आंकलन करेंगे।

इससे पहले हाथ से हाथ जोड़ो के प्रभारी आरसी खूंटिया और राजस्थान पीसीसी चीफ ने हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की जानकारी दी। बैठक में जिलों के प्रभारी पहुंचे। नेताओं ने प्रभारियों को मैसेज दिया कि अगर कांग्रेस को बचाना है तो हाथ से हाथ जोड़ो अभियान में 2 महीने काम करना पड़ेगा। कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू हो रहा है।

अभियान के प्रभारी आरसी खुंटिया ने बताया कि 26 जनवरी से 26 मार्च तक चलने वाले इस अभियान के दौरान वे खुद और तमाम नेता सिर्फ राजस्थान में ही नहीं रुकेंगे, बल्कि जिला और ब्लॉक स्तर पर जाकर अभियान की जानकारी लेंगे। ऐसे में कोई भी नेता यह नहीं समझे, कि उनकी ओर से किए गए कार्य की जानकारी आगे तक नहीं पहुंचेगी।

'ओल्ड पैंशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार राज्य के स्तर पर बिजली की दरें तय नहीं करती हैं।"

अहलूवालिया के मुताबिक, "अगर आप जलवायु परिवर्तन की समस्या को लेकर विचार करें जिसे हमने राष्ट्रीय स्तर पर 2070 तक नेट ज़ीरो का लक्ष्य हासिल करने का इरादा बनाया है, तो इसे हासिल करने के लिए आपको अक्षय ऊर्जा की ओर जाना होगा।"

उन्होंने कहा, "लेकिन राज्य के स्तर पर अगर आप रिन्यूएबल एनर्जी के लिए निवेश लाते हैं और इससे बिजली की क़ीमतें बढ़ती हैं तो क्या आप उपभोक्ताओं पर इसका भार डालेंगे या नहीं?"

अहलूवालिया ने आगे कहा, "या आप तर्क देंगे कि किसानों इससे मुक्त रखना चाहिए या कुछ अन्य लोगों के लिए कम क़ीमत वसूलनी चाहिए... पेंशन स्कीम के मुकाबले ये समस्या बहुत जल्द उभर सकती है।"

आहलुवालिया ने कहा, "इसलिए राजनीतिक स्तर पर अख़बारों आदि में एक नैरेटिव बनाना होगा और जनता को भी सूचना देनी होगी तो लोगों को भी पता होगा कि क्या हो रहा है। अगर ये नहीं होता है तो मुझे नहीं लगता कि इसका कोई आसान हल निकलेगा।"

ऑस्ट्रेलिया में 100 सालों की सबसे भीषण बाढ़

सिडनी, 8 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया का किंबरली इलाका 100 साल की सबसे खतरनाक बाढ़ का सामना कर रहा है। किंबरली का क्षेत्रफल ब्रिटेन की तुलना में तीन गुना ज्यादा है लेकिन आबादी कम है। यहां रहने वाले आधे लोग आदिवासी हैं। जो दूर-दूर बने घरों में रहते हैं। इस विशाल क्षेत्र में ट्रॉपिकल साइक्लोन ऐली की वजह से भारी बारिश हुई। इससे कई इलाके चारों तरफ से पानी से घिर गए हैं और सड़कें पानी में डूब गई हैं। बाढ़ से कंगारू भी बड़ी संख्या में प्रभावित हुए हैं। किम्बरली इलाका आस्ट्रेलिया के पश्चिमी भाग में स्थित है। यहां बाढ़ में फंसे सैकड़ों लोगों को मिलिट्री हेलिकॉप्टर्स से एयरलिफ्ट किया गया। ऑस्ट्रेलिया की आपातकालीन सेवाओं के मंत्री स्टीफन डावसन ने कहा कि हर तरफ पानी ही पानी है।

75 प्लस उम्र के लोगों को आई.टी.आर. भरने से छूट मिलेगी

नई दिल्ली, 8 जनवरी। पैंशनभोगी 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को आई.टी.आर. भरने के झंझट से मुक्ति देने का केंद्र सरकार का फैसला अमल आ चुका है। यह फैसला 75 साल या इससे ज़्यादा उम्र के उन बुजुर्गों पर लागू हुआ है जिनकी आमदनी सिर्फ पेंशन व ब्याज से है। अगर इनकी आमदनी पर टैक्स बनेगा तो संबंधित बैंक टैक्स काट लेगा। इसके लिए टैक्स रिटर्न भरने की जरूरत नहीं होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2021-22 के बजट भाषण में आजादी के 75 साल होने के मद्देनज़र 75 या इससे ज़्यादा उम्र के बुजुर्गों को टैक्स रिटर्न फाइल नहीं करने की सुविधा देने की घोषणा की थी। अब नया बजट पेश करने से पहले वित्त मंत्रालय एक-एक कर उन घोषणाओं और उन पर अमल की स्थिति के बारे में बता रहा है जो पिछले बजट भाषणों में हुई थीं। सरकार की ओर से एक ट्वीट के माध्यम से बताया गया, आयकर अधिनियम, 1961 में धारा 194-पी शामिल की गई, जो 75 वर्ष से अधिक आयु के उन वरिष्ठ नागरिकों को एफ.आई.आर. दाखिल करने से छूट देती है, जिनके पास केवल पेंशन और ब्याज से अर्जित आय है। निर्दिष्ट बैंकों और प्रासंगिक प्रपत्रों को अधिसूचित किया गया है।

सपा आई.टी. सैल के प्रमुख को यू.पी. पुलिस ने गिरफ्तार किया

सपा के ट्विटर हैंडल से की गई अभद्र टिप्पणियों के मामले में यू.पी. पुलिस ने यह कार्रवाई की है

लखनऊ, 8 जनवरी। उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी सपा के आईटी सेल के संचालक को यूपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। लखनऊ की हजरत गंज पुलिस ने मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल इसके पहले समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से की कुछ अभद्र टिप्पणी की गई थी जिसको लेकर हजरतगंज कोतवाली में तीन एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई थी। समाजवादी पार्टी का ट्विटर हैंडल सीतापुर के रहने वाले मनीष जगन अग्रवाल देखते थे जिन्हें एफ.आई.आर. के बाद हजरत गंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

वहीं इस गिरफ्तारी के बाद सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव लखनऊ पुलिस मुख्यालय पहुंचे हैं। सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा भी किया है। अखिलेश यादव ने पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचकर चाय पीने से इनकार कर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि चाय में जहर हो सकता है। आपको बता दें कि 6 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी की युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज ऋचा राजपूत ने समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से खुद का रेप किए जाने और जान से मारे जाने की धमकी देने को लेकर केस दर्ज करवाया था। इस मामले में सपा के ट्विटर हैंडल को ऑपरेट करने वाले मनीष की गिरफ्तारी हुई है। इस गिरफ्तारी के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ पुलिस मुख्यालय पहुंच गए हैं।

भाजपा युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत ने अपने शिकायत में कहा था, 'मुझे समाजवादी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जान से मेरा रेप करने और मुझे जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

'राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन राहुल ने अपने दृढ़ संकल्प से यात्रा पूरी की है, इसके लिए उनको बधाई देता हूं।

पीयुष गोयल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उद्योगों का भ्रमण करेंगे। वह 11 जनवरी को वाशिंगटन में 13वीं व्यापार नीति फोरम की बैठक में हिस्सा लेंगे। प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता से पहले वह यू.एस.टी.आर. की राजदूत कैथरीन टई से भी मुलाकात करेंगे। चार साल के अंतराल के बाद टी.पी.एफ. की 12 मंत्रिस्तरीय बैठक 23 नवंबर 2021 को आयोजित की गयी थी। पिछली मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कार्यकारी समूह को फिर से शुरू किया गया है। गौरतलब है कि टी.पी.एफ. प्लेटफार्म एक ऐसा मंच हैं जहां दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों के बीच लगातार बातचीत होती है। टी.पी.एफ. की अध्यक्षता दोनों ही देशों के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री करते हैं। गोयल वाशिंगटन में अमेरिका की वाणिज्य सचिव गिना रेमोंडो के साथ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा लेंगे।

कश्मीर में रविवार को मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गये

जम्मू, 8 जनवरी (वार्ता)। सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास ऑपरेशन बालाकोट के तहत दो आतंकवादियों का सफाया कर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया और भारी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया।

रक्षा मंत्रालय के जम्मू स्थित प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने कहा कि 7 जनवरी को शाम सात बजे सतर्क सैनिकों ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे दो घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने कहा इस सैनिकों को सतर्क कर दिया गया और वे क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। लगभग पौने आठ बजे घुसपैठ कर रहे

■ सुरक्षाबलों ने कश्मीर में आतंकियों की बड़ी घुसपैठ को नाकाम किया।

आतंकवादियों ने बारूदी सुरंग से जोरदार धमाका कर दिया।

प्रवक्ता ने कहा इसके बाद शाम सात बजकर 50 मिनट पर सैनिकों ने बाड़ के पास हलचल देखी और आतंकवादियों पर निशाना साधकर उन पर गोलीबारी शुरू कर दी और उनकी घुसपैठ रोकने के लिए घेराबंदी कर दी। साथ ही रात में क्वाडकॉप्टर और अन्य निगरानी उपकरणों को घेराबंदी वाले क्षेत्र पर कड़ी निगरानी रखने के लिए लगाया गया था।

उन्होंने कहा कि सैनिकों ने अगले दिन दो बजे तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि तलाशी बहुत गहन थी क्योंकि यह क्षेत्र न केवल घनी झाड़ियों से भरा हुआ है, बल्कि बारूदी सुरंगो से भरा भी है। उन्होंने कहा कि अब तक की तलाशी में दो शव, हथियार, मैगजीन, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गयी है।

प्रवक्ता ने बताया कि सेना ने अब तक दो मैगजीन और 21 राउंड के साथ एक एके 47 राइफल, एक मॉडिफाइड एके 56 राइफल, एक मैगजीन के साथ एक चाइनीज पिस्टल और पांच राउंड, दो चाइनीज हैंड ग्रेनेड और दो हाई एक्सप्लोसिव आई.ई.डी. और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। जबकि तलाशी अभियान जारी है।

'जोशीमठ में हर साल 85 एम.एम. नीचे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तत्कालीन मंडलायुक्त महेश चंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में तत्कालीन संयुक्त राज्य उत्तर प्रदेश सरकार ने एक कमेटी गठित की। यह कमेटी वर्ष 1970 और उसके बाद अनेक बार अलकनंदा नदी में आई बाढ़ के बाद जोशीमठ और आसपास के क्षेत्र में हुए भूधंसाव और घरों में दरार की घटनाओं के परीक्षण के लिए गठित हुई थी।

डॉक्टर मिश्र के अनुसार, इस कमेटी में लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग और तत्कालीन रुड़की इंजीनियरिंग कालेज के विशेषज्ञों, भूविज्ञानियों के अलावा, स्थानीय प्रबुद्धजनों को शामिल किया गया था। उन्होंने जानकारी दी कि उस कमेटी ने जोशीमठ में पानी की निकासी के पुख्ता इंतजाम करने और अलकनंदा नदी से भू कटाव की रोकथाम करने के सुझाव भी दिए थे। उत्तराखण्ड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सोमवार को जोशीमठ जायेंगे और आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही पीड़ितों से मिलेंगे। आर्य ने जोशीमठ के हालात के लिये पुनः धामी सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता ने बातचीत में कहा कि धामी सरकार जो आंकड़े बता रही है, हालात उससे बदतर हैं। उससे ज्यादा नुकसान हुआ है। लोग दहशत में जी रहे हैं। उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लोग लंबे समय से संघर्ष करते रहे लेकिन सरकार ने ध्यान नहीं दिया। कांग्रेस का एक शिष्टमंडल भी इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री धामी से मिला था लेकिन मुख्यमंत्री ने कोई रिस्पांस नहीं दिया।

उन्होंने आगे कहा कि केन्द्रीय योजनाओं को लागू करने से पहले विशेषज्ञों की राय ली जानी चाहिए थी। मानकों का पालन किया जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार खुद परियोजनाओं की समीक्षा की बात कह रही है। उन्होंने माना कि सरकार काफी देर से जागी है और अब इस मामले में काफी विलंब हो गया है।

आर्य ने कहा कि वह कल जोशीमठ जायेंगे और आपदा पीड़ितों का हाल जानेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सरकार तत्काल प्रभावी कदम उठाये। उन्होंने मांग की कि आपदा पीड़ितों का तत्काल पुनर्वास किया जाये।

उत्तराखण्ड के चमोली जिला अधिकारी (डी.एम.) हिमांशु खुराना की अगुवाई में अधिकारियों की टीम ने रविवार को जोशीमठ के मारवाड़ी वार्ड में घर घर जाकर भू धंसाव की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही, जिन घरों में दरारें मिली है, उन परिवारों को तत्काल शिफ्ट कराने के निर्देश दिए गए हैं।

खुराना ने प्रभावितों के साथ दुःख दर्द बांटते हुए कहा कि दरार वाले भवनों में रहना असुरक्षित है। जिन भवनों में दरारें आ गई है उनको खाली किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा होटल, होम-स्टे एवं अन्य सुरक्षित स्थानों पर रहने की व्यवस्थाएं की गई है। यहां पर सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही है। जो लोग किराए पर जाना चाहते है उन लोगों को चार हजार रुपये प्रतिमाह की दर से छह महीने तक सरकार देगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी दशा में असुरक्षित भवनों में ना रहें।

निरीक्षण के दौरान, अपर जिलाधिकारी डॉक्टर अभिषेक त्रिपाठी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक सैनी, एस.डी.एम. कुमकुम जोशी एवं संबंधित क्षेत्र के सेक्टर एवं नोडल अधिकारी मौजूद थे। इस बीच देहरादून से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के जोशीमठ में भू धंसाव के कारण उत्पन्न स्थिति के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। रविवार को यह जानकारी स्वयं धामी ने मीडिया को अनौपचारिक बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने फोन पर विस्तृत जानकारी ली और पूछा कि कितने लोग इससे प्रभावित हुए हैं, कितना नुकसान हुआ तथा लोगों के विस्थापन के लिए क्या किया जा रहा है।

धामी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जोशीमठ को बचाने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

तेलंगाना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब रसायन और अन्य सामग्री ड्रम में डाली जा रही थी। उन्होंने बताया कि तभी अचानक आग लग गई, जिससे सहायक प्रबंधक और दो सहायकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि मृतक आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और बिहार के रहने वाले थे। शवों को अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस एक मामला दर्ज करके घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908